मुझे छोटे बने रहना ही पसंद है

शार्लोट ज़ोलोटो, चित्र: एरिक

मुझे छोटे बने रहना ही पसंद है

शार्लोट ज़ोलोटो, चित्र: एरिक

एक बार एक छोटी लड़की थी.

"बड़े होकर तुम क्या बनना चाहती हो?" उसकी माँ ने पूछा.

"मैं अभी कुछ समय छोटी ही बनी रहना चाहती हूँ," उसने कहा.

"क्यों?" उसकी माँ ने पूछा. "बड़ा बनना अच्छा होता है. तुम छोटी ही क्यों बनी रहना चाहती हो?"

"क्योंकि मैं छोटी हूं," छोटी लड़की ने कहा, "और क्योंकि जब तुम छोटे होते हो तो तुम वो चीज़े कर सकते हैं जो तुम बड़े होकर नहीं कर सकते."

"तुम ऐसा क्या कर सकती हो जो बड़े नहीं कर सकते हैं?" उसकी माँ ने पूछा.

"जैसे रस्सी कूदना," छोटी लड़की ने कहा. "जब मैं खुश होती हूँ तो मैं रस्सी कूद सकती हूं. बड़े लोग खुश होने पर भी रस्सी नहीं कूदते हैं."

"वो ठीक है," उसकी माँ ने कहा, "लेकिन बड़ों के पास खुश होने के अलग तरीके होते हैं."

"ओह," छोटी लड़की ने कहा. "मुझे रस्सी कूदना पसंद है. इसलिए मैं छोटी ही बनी रहना चाहती हूँ."

"उसके अलावा क्या?" उसकी माँ ने पूछा.

"मैं डाइनिंग-रूम टेबल के नीचे बैठ सकती हूं और वहां अपना घर बना सकती हूं और गलीचे पर बने गुलाब के चारों ओर अपनी उंगली से रेखाचित्र खींच सकती हूं. लेकिन बड़े लोग टेबल के नीचे नहीं बैठ सकते हैं."

"वो सच है," माँ ने कहा, "लेकिन बड़े लोग वो शायद करना ही नहीं चाहते हों."

"मैं चाहती हूँ," छोटी लड़की ने कहा, "इसीलिए मुझे छोटे बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" उसकी माँ ने पूछा.

"मैं गर्मियों में नंगे पांव घूम सकती हूं. बड़े लोग गर्मियों में नंगे पैर नहीं घूमते हैं."

"वो सच है," माँ ने कहा. "वे आमतौर पर वैसा नहीं करते हैं."

"मुझे नंगे पैर घूमना पसंद है," छोटी लड़की ने कहा.

"मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"इसके अलावा और कुछ?" माँ ने पूछा.

"आइसक्रीम वाला मेरा पहला नाम जानता है," छोटी लड़की ने कहा. "पर वो आपका नाम नहीं जानता है."

"ठीक है," माँ ने कहा.

"मैं चाहती हूँ कि उसे आपका नाम भी पता हो," छोटी लड़की ने कहा.

"मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" उसकी माँ से पूछा

"मैं आराम से बैठ सकती हूँ और कुछ भी नहीं कर सकती हूँ," छोटी लड़की ने कहा. "पर बड़े लोग कभी खाली नहीं बैठते हैं. वे हमेशा कुछ-न-कुछ करते ही रहते हैं."

"वे बहुत व्यस्त रहते हैं," उसकी माँ ने कहा.

"मुझे बैठना और कुछ नहीं करना पसंद है," छोटी लड़की ने कहा. "मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"इसके अलावा कुछ और?" उसकी माँ ने पूछा.

"अगर मुझे कोई सुंदर चीज़ दिखती है, तो मैं क्रेयॉन से उसका चित्र बना सकती हूं. बड़े लोग क्रेयॉन से चित्र नहीं बनाते हैं," छोटी लड़की ने कहा.

"आमतौर पर नहीं," उसकी माँ ने कहा.

"मुझे क्रेयॉन के साथ चित्र बनाना बेहद पसंद हैं," छोटी लड़की ने कहा. "इसलिए मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" उसकी माँ ने पूछा.

"बड़े होने पर केक और आइसक्रीम और मोमबत्तियों के साथ जन्मदिन की पार्टी नहीं होती है," छोटी लड़की ने कहा.

"नहीं," माँ ने कहा, "बड़े लोगों को वास्तव में वो पसंद नहीं हैं."

"पर मुझे वैसी जन्मदिन की पार्टी पसंद हैं," छोटी लड़की ने कहा, "इसलिए मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" उसकी माँ ने पूछा.

छोटी लड़की ने कहा, "मैं खिड़की के पास बैठकर कांच पर बारिश की बूंदों को नीचे लुढ़कते हुए देख सकती हूं. मैंने कभी किसी बड़े को ऐसा करते हुए नहीं देखा है."

"क्या तुम्हें उसमें मज़ा आता है?" माँ ने पूछा.

"मुझे वो बहुत अच्छा लगता है," छोटी लड़की ने खुशी से कहा. "इसलिए मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"कुछ और?" उसकी माँ ने पूछा.

"मैं हैलोवीन के त्यौहार पर अजीबो-गरीब वेशभूषा पहन सकती हूं," छोटी लड़की ने कहा, "और फिर घर-घर जाकर मिठाई मांग सकती हूँ. बड़े वैसा नहीं करते हैं."

"वो सच है," उसकी माँ ने मुस्कुराते हुए कहा.

छोटी लड़की ने कहा, "मुझे अजीब वेशभूषा पहनना और घर-घर जाकर मिठाई मांगना पसंद है."

"इसलिए मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" माँ ने पूछा.

"पतझड़ में गिरने वाले पत्तों के ढेर में, मैं कूद सकती हूँ," छोटी लड़की ने कहा. "बड़े लोग गिरे पत्तों को सिर्फ इकठ्ठा करते हैं."

"वे सूखे पत्तों का ढेर बनाते हैं," उसकी माँ ने कहा.

"पर मुझे पत्तों के ढेर पर कूदना पसंद है," छोटी लड़की ने कहा. "इसलिए मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

"और क्या?" उसकी माँ ने कहा.

"जब पहली बर्फ गिरती है तो मैं उसे खा सकती हूँ," छोटी लड़की ने कहा. "बड़े लोग ऐसा कभी नहीं करते हैं."

"लेकिन क्या वो करना अच्छा है?" उसकी माँ ने पूछा.

"अच्छा है," छोटी लड़की ने कहा. "मुझे छोटा बने रहना बहुत पसंद है. जो चीजें अपने आप होती हैं वो मुझे पसंद हैं."

"ठीक है," उसकी माँ ने कहा, "मुझे भी बड़े होने के बारे में कुछ पता है - लोग उन सभी चीजों को दुबारा कर सकते हैं."

"क्या?" छोटी लड़की ने कहा "वो कैसे संभव है?"

उसकी माँ ने छोटी बच्ची की ठुड्डी के नीचे हाथ रखा और फिर उसकी आँखों में देखा.

"जब तुम बड़ी हो जाओगी," माँ ने कहा, "तब तुम अपने जैसी ही एक छोटी लड़की की माँ बन सकती हो."

छोटी लड़की मुस्कुराई.

"ठीक है, छोटी लड़की ने कहा, "मैं भी वैसा ही कुछ अच्छा जानती हूँ."

"क्या?" उसकी माँ ने कहा. "तुम जैसी छोटी लड़की के होने से अच्छा भला और क्या हो सकता है?"

"ठीक है," छोटी लड़की ने कहा, "रात में, जब तुम मुझे चूमोगी और मुझे बिस्तर में सुलाओगी, तब मैं बिस्तर पर लेटकर आपके जैसा बनने के बारे में सोच सकती हूँ."

जब आप छोटे होते हैं तो आप जानते हैं कि आप बड़े होंगे.

बड़े लोग, पहले ही बड़े हो गए होते हैं.

मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं किसी दिन बड़ी होऊंगी. लेकिन अभी मुझे छोटा बने रहना ही पसंद है."

अंत